

यूपी को वर्ष 2000-17 की तुलना में 2019-23 में चार गुना अधिक FDI प्राप्त हुआ चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 'यूपी: भारत में विदेशी निवश के लिये एक उभरता हुआ गंतव्य' सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बदुि:

- सम्मेलन के दौरान सीएम ने बताया कविर्ष 2000-2017 की तुलना में वर्ष 2019-23 में यूपी को चार गुना ज़्यादा प्रत्यक्ष विदेशी नविश (FDI)
 - आधिकारिक बयान के मुताबिक, राज्य सरकार प्रधानमंत्री द्वारा यूपी के लिये निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्रा करेगी।
 - ॰ पिछले ६-७ वर्षों में राज्य की छवि बदली है। सात वर्ष पहले यूपी देश का बीमारू (BIMARU) राज्य हुआ करता था।
- सीएम के मुताबिक बढ़ा हुआ निवश बेहतर कानून व्यवस्था का नतीजा है ।

बीमारू (BIMARU)

- यह बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का संक्षिप्त रूप है, जो उन राज्यों का समूह है जो ऐतिहासिक रूप सेआर्थिक तथा सामाजिक संकेतकों में पिछड़े हुए हैं।
- इन राज्यों की विशेषता **उच्च स्तर की गरीबी, कम साक्षरता दर और खराब बुनियादी ढाँचा** है।
- ऐसे कई कारक हैं जिन्होंने इसमें योगदान दिया है, जिनमें शामिल हैं:
 - ॰ **नविश की कमी:** इन राज्यों को ऐतिहासिक रूप से भारत के अन्य राज्यों की तुलना में केंद्र सरकार से कम नविश प्राप्त हुआ है। इससे बुनियादी ढाँचे के विकास में कमी आई है, जिससे इन राज्यों में व्यवसायों का संचालन करना मुश्कलि हो गया है।
 - ॰ **खराब शासन:** बीमारू राज्य भी खराब शासन से त्रस्त हैं। इसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पारदर्शिता की कमी हुई है। इससे इन राज्यों में व्यवसायों के लिये कार्य करना मुश्किल हो गया है तथा निवश भी हतोत्साहित हुआ है।
 - ॰ **उच्च जनसंख्या वृद्धि:** बीमारू राज्यों ने भी उच्च जनसंख्या वृद्धि दिर का अनुभव किया है। इससे संसाधनों पर दबाव पड़ा है और इन राज्यों की सरकारों के लिये अपने नागरिकों को बुनियादी सेवाएँ प्रदान करना मुश्किल हो गया है।

amo



■ Investment made by foreign entities/individuals in businesses and assets located in a different country

FDI Routes:

- Automatic Route:
- No prior government approval required
- Up to 100% allowed in non-critical sectors
- Government Approval:
 - Necessary in certain sectors or for investments above specific thresholds
 - Administered by Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) and RBI

• Examples of Approval via Auto and Govt Route:

- Banking (Private sector): up to 49% (auto) + above 49% and up to 74% (Govt)
- Defence: up to 74% (auto) + above 74% (Govt)
- Healthcare (Brownfield): up to 74% (auto) + above 74% (Govt)
- Telecom Services: up to 49% (auto) + above 49% (Govt)

Foreign Investment Promotion Board (FIPB):

- Comes under Ministry of Finance
- Responsible for processing FDI proposals facilitated by Foreign Investment Facilitation Portal (FIFP)
- Making recommendations for Government approval

ndia's Top 5 FDI Sources (FY 2022-23):

- Mauritius
- Singapore
- USA
- Netherland

India's Top Sectors Attracting FDI (FY 2022-23):

- Services SectorComputer Software & Hardware
- Trading
- Telecommunications
- Automobile Industry



Foreign Portfolio Investment (FPI)

- Investments made by foreign individuals, institutions, or funds in financial assets
- Known as Fly by Night or Hot Money

Imp Features:

- Purchase of financial assets occur without gaining ownership
- Passive investment approach
- Investors earn returns through dividends, interest, and capital appreciation

Example:

- Stocks, Bonds etc.
- Regulatory Body:
- Securities and Exchange Board of India (SEBI)

Difference between FDI and FPI		
Features	FDI	FPI
Nature of Investment	Long-term	Short-term
Objective	Long-term presence in a foreign country	Earning quick returns on investments
Control	Significant (over the invested entity)	No or limited control
Investments in	Tangible assets (e.g., factories, buildings)	Financial assets (e.g., stocks, bonds)
Returns	Profits, Dividends, and Capital appreciation	Dividends, Interest, and Capital appreciation
Policy Regulations	Govt policies and sector -specific regulations	Flexible regulations and easier entry/exit
Impact on Economy	Job creation, technology transfer, and economic growth	Short-term liquidity and impact on stock market performance



